ekuo thou fodkl lfefr

okf"kd ixfr ifronu

o"k 2016&2017

xke fctkjh ikLV e>xoka ftyk & dVuh ¼e-i-½ 483501

Qku u- & 07626&275223] 275232] 9425157561

E-Mail – mjvskatni@gmail.com **Web.-** www.mjvsorg.in

, t।.Mk %& o"k 2016&17

1. प्रस्तावना
2. संदेश (राजा जी.....................)
3. पंचायतीराज
4. रूरल टूरिज्म
5. जागरूकता कार्यक्रम
6. एडवोकेसी
7. स्कालरशिप ....
8. रूरल इकोनामी (भीम कोठी)
9. जल संरक्षण
10. मिडिया की नजर में (06 पेपर कटिंग)
11. जडीबूटी संग्रह व संवर्धन
12. लाईब्रेरी की स्थापना
13. अन्य गतिविधियॉ
14. बोर्ड मेम्बर लिस्ट फोटो सहित

1- iLrkouk& मानव जीवन विकास समिति एक सामाजिक गैर–सरकारी संगठन है, जिसका गठन वर्ष 2000 में किया गया था । विगत 17 वर्षों में संस्था ने अपने उद्धेश्यों के प्रति सजग रहते हुए सराहनीय कार्य किया है और आगे निरन्तर ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही है । समिति के ऑफिस स्टॉफ से लेकर फील्ड के कार्यकर्ताओं की क्षमतावृद्धि के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित समुदाय के साथ उनके क्षमता वर्धन हेतु प्रशिक्षणों का आयोजन करना व लोगों की स्थायी आजीविका की ओर अग्रसर बढ रही है, आम आदमी को हासिये से निकालकर मुख्यधारा में जोडने के लिये संस्था ने अनवरत् प्रयास किया है। मध्यप्रदेश के महाकौशल, बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड क्षेत्र के 262 गॉवों में सघन रूप से काम को बढा रही है, समिति के संस्थापक गॉधीवादी विचारक डॉ. राजगोपाल पी.व्ही. जी के निर्देशन में समिति के निम्न दस स्तम्भों पर विचार–विमर्श कर अपने काम को आगे बढाने में निरन्तर सक्रिय है जबकि समिति कटनी जिले के बडवारा तहसील के अन्तर्गत बिजौरी (मझगवॉ) में अपने 27 एकड के क्षेत्र में प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना, जडीबूटी संग्रह व संवर्धन, वृक्षारोपण व जैविक खेती को बढावा देते हुए किसानों को प्रशिक्षण देने का भी कार्य किया जा रहा है । इसी के तहत बडवारा ब्लाक में निर्वाचित पंचायत महिला जनप्रतिनिधियों के साथ उनके शिक्षण–प्रशिक्षण व ग्रामसभा सशक्तिकरण, घरेलू हिंसा, स्कूल चले अभियान जैसे कार्यक्रमों में आयोजन के साथ महिलाओं के साथ सामाजिक मुद्धों पर कार्य को किया जा रहा है। समिति का मानना है कि वंचितों और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में सशक्त भूमिका निभाएगी जिससे भूखमुक्त और भयमुक्त समाज की रचना का सपना साकार हो सके।

lLFkk dk fe'ku ,oa fotu&

nf"V & गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन पर क्षमता वृद्धि कर जीविकोपार्जन के साधन खडे करना।

लक्ष्यः– प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन को सुचारू रूप से संचालित कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में आगे बढना, जिससे समाज में स्वच्छता, रचनात्मक कार्यों की क्षमता का विकास हो । स्वरोजगार की दिशा में प्रशिक्षित होकर स्वावलम्बी समाज का निर्माण करना ।

lfefr dk nl LrEHk &

1- gekjk vkfFkd – परावलम्बी समाज से स्वावलम्बी समाज निर्माण के सिद्धान्त पर चलते हुए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर आधारित अहिंसक समाज रचना में लगे समुदाय का निर्माण ताकि भूखमुक्त समाज की रचना हो सके।

2- gekjh jktuhfrd & लोक आधारित लोक उम्मीदवार के सिद्धान्त पर लोकनीति के अनुसार चलने के लिये लोगों को खडा करना ताकि सही अर्थों में लोकतंत्र की स्थापना की जा सके ।

3- gekjh f'k{kk :– समग्र विकास पर आधारित ज्ञान का प्रचार–प्रसार एवं स्कूली बच्चों का सर्वागीण विकास के साथ–साथ रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना ताकि बेरोजगारी की समस्या का उन्हें सामना न करना पडे।

4- gekjk lekt ¼& अखण्डता, सम्प्रभुता, समभाव, परस्पर भाई–चारे के साथ एकता, समानता, सामूहिकता एवं न्याय पर आधारित समाज जिसमें ऊँच–नीच अगडे–पिछडे जाति आधारित भेदभाव न हो ।

5- gekjh lLdfr ¼& स्थानीय लोककला एवं संस्कृति के कलाकारों को संगठित कर पुनर्जीवित करना, उनका संवर्धन एवं संरक्षण कर वातावरण उपलब्ध कराना।

6- gekjh df"k¼& लम्बे समय तक भूमि की उत्पादन क्षमता बनाए रखने वाली खेती को प्रोत्साहन देकर पारम्परिक ढंग से खेती कर रहे किसानों का उत्साह बढाना ताकि वे कृषि की रीति–नीति का विकास कर सकें।

7- gekjk l'kfDrdj.k :– गरीबी झेल रहे दीनदुखी, जो अपाहिजों जैसा जीवन जीने के लिये विवश हैं, समाज में विद्यमान ऐसे स्त्री–पुरूषों के प्रति असामनता और उपेक्षा को दूर कर समानता का दर्जा दिलवा कर शोषण, अत्याचार, एवं भ्रष्टाचार से मुक्त सशक्त सामाजिक ढॉचे का निर्माण करना।

8- gekjk ifjos'k ¼& स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना जहॉ हिंसा, लूटपाट, वैमनस्यता, दुराचार तथा तेरे मेरे के लिये कोई स्थान न हो ।

9- gekjk lg;kx ,o fe=rk :– परस्पर सहयोग की भावना को पुनर्जीवित कर एक दूसरे की सहायता व मित्रता को बढाना देना ताकि पूरा गॉव और समाज अपनी समस्याऍ आपसी सहयोग व मित्रता के आधार पर सुलझा सकें।

10- gekjh lLFkk :– उपरोक्त विचारों के कियान्वयन के लिये तथा समाज कल्याण के काम का विकास करने में संस्था एक मजबूत आधार स्तम्भ है। समिति के सदस्यों में सामाजिक कार्य में सक्षम व्यक्ति, शिक्षक, वकील व महिलाओं की सामान खरीददारी है । समिति का प्रशिक्षण केन्द्र कटनी से 17 किमी. की दूरी पर बडवारा रोड पर स्थित है, जहॉ प्रकृति के नजदीक शुद्ध वातावरण व शुद्ध पर्यावरण के बीच स्थापित है।

2- Mk-jktxkiky ih 0gh th dk lns'k ¼&

प्रत्येक परेशान, गरीब व वंचित समुदाय के व्यक्तियों की मदद व सहायता करें ताकि एक बराबरी के माहौल में लोग स्वच्छ वातावरण के अनुसार निवास कर सके । बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों ऐसे रूचि रखने वाले उस अंतिम व्यक्ति की मदद करे, जिसे उनकी आवश्यकता है ।

þ Lug;Dr 0;kgkj lcdk lg;kx fnykrk g A vkj lcd lg;kx ls gj eftty vklku gk tkrh g A þ

Mk-jktxkiky ih 0gh

ejh dye%&

मानव जीवन विकास समिति की 17 वीं वार्षिक रिपोर्ट आपके हाथ में है, जिसे आप पढ रहे हैं । मैं जानता हूँ कि रिपोर्ट को पढते–पढते आप मुस्कुराते हुए टीम को धन्यवाद भी दे रहे हें और सोच रहे हैं कि ये सब कैसे खडा किया होगा । हम आपको धन्यवाद देते हुए साधुवाद दे रहे हैं जो आपने हमें इन पिछले 17 वर्षों में कई उतार चढाव में आपने हमें साथ दिया, आपको भले न स्मरण हो पर मुझे और मेरी टीम को आपकी एक एक बात हमें सीखने के लि ये प्रेरणादायी रही है।

हमारे पुराने एक घनिष्ठ मित्र ने यहॉ तक सुझाव दिया था कि जब भी आप अपने कमरे से बाहर निकलना बनियान और तौलिया में मत निकलना पूरे कपडे पहन कर ही बाहर निकलना और जब इस बात को मैंने अपने दूसरे मित्र से चर्चा कर बता रहा था तो उन्होंने कहा कि यदि हो सके तो कुर्ता पैजामा ही पहनना बहुत कोशिश कि या कि पहनू पर पूर्ण रूपेण नहीं हो पाया ।

इस सेन्टर में आने के बाद मैंने अपने आपको इसी का बना के रखा शहर की बडी–बडी बिल्डिंग से अच्छा खेत की मिटटी, हरे भरे पेड, शाम सुबह चिडियों का चहकना, रात में कुत्तों का भोकना और रात में जंगली जानवरों का खेत में उत्पाद मचाना और उसे ठीक करना ही मेरी दिनचर्या बन गई । यहॉ आने के बाद मैंने तीन साल इसी सेन्टर को देखता व समझता रहा परन्तु मन नहीं माना और मैंने नवम्बर 2000 में अपने साथियों के साथ श्री राजा जी के मार्गदर्शन में मानव जीवन विकास समिति का गठन कर दिया और जबलपुर पंजीयक कार्यालय से रजिस्ट्रेशन करा ही लिया, लगन और आप सबकी दुआ सहयोग से समिति को यहॉ तक लाकर खडा किया।

आज इस सेन्टर में रहने के लि ये आवास 100–150 तक के लोगों को बैठने के लिये हाल, साफ–सुथरी कीचिन, शेड, लायब्रेरी, आफिस को चलाने के लिये एक सक्षम टीम व साजो सामान के साथ परिपूर्ण है । भले ही कटनी से 13 किमी. की दूरी पर लाल मिटटी, मुरूम जंगल के बीच बिजौरी गॉव में सेन्टर अपने 27 एकड जमीन में स्थापित है लेकिन बिजौरी मझगवॉ का नाम दुनिया के कई देशों में लोगों के मुह की जवान पर आता है, जो भी जितने लोग भी इस सेन्टर को व समिति को जानते हैं उन सबको मैं पुनः आभार व्यक्त करते हुए पूरी रिपोर्ट पढने के बाद आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

3- ipk;rhjkt %& भारत के संविधान के 73 वें संशोधन के अनुरूप प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था को सफल बनाने, विकास योजनाओं को मूर्तरूप दिया जाकर, लोकतंत्रिक ग्रामीण स्थानीय व्यवस्था और जनभागीदारी को सुदृढ करना, आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय के लिये संविधान की 11 वीं अनुसूची में वर्णित विषयों से संबंधित योजनाओं के कियान्वयन, अनुज्ञपण एवं प्रबंधन के बारे में पदाधिकारियों को समुचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण देना एवं पंचायतों को उनके अधिकार, कर्त्यव्य एवं दायित्वों को परिचित कराकर प्रदेश में ग्रामीण विकास त्वरित गति से हो ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना।

इन्हीं उपर्युक्त उद्धेश्यों के प्राप्ति के लिये शासन व सामाजिक संस्थाओं द्वारा अपने अपने तरीके पंचायतों और ग्रामसभाओं को मजबूत करने के लिये काम करने की रूपरेखा बनाकर प्रारम्भ किये । जैसा कि म.प्र. में 51 जिला पंचायत, 313 जनपद पंचायत एवं 23006 ग्राम पंचायतें हैं । इन्हीं सभी पदो पर एससी., एसटी, ओबीसी, एवं जनरल को मिलाकर 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई तो कटनी जिले की कुल 408 ग्राम पंचायतों में से बडवारा की 66 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2015 के चुनाव के समय *36* ग्राम पंचायतों में महिला सरपंच बनी जबकि 50 प्रतिशत आरक्षण के तहत 33 ही बनना चाहिये था। इन 66 पंचायतों में से मानव जीवन विकास समिति ने द हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से 40 ग्राम पंचायतों की उन 279 महिला सरपंचों और पंचों के साथ काम करना प्रारम्भ किया । कटनी जिले के 110 लिंगानुपात को देखते हुए और बढाना और 43.3 प्रतिशत साक्षरता के स्तर को ऊपर उठाने के भी प्रयास धीरे–धीरे चल ही रहे हैं । इसके उन समस्त महिला जनप्रतिनिधियों (EWR) के साथ उनकी क्षमता की वृद्धि के प्रशिक्षणों का आयोजन के साथ निम्न प्रकार के प्रशिक्षणों की व्यवस्था की गई है।

1. आवश्यकता आधारित कार्यशाला का आयोजन ।

2. फेडरेशन की बैठकों का आयोजन ।

3. शासकीय पदाधिकारियों से संवाद स्थापित करना।

4. कुपोषण के खिलाफ अभियान का संचालन ।

5. मीडिया संवाद

उपर्युक्त विषयों के आधार पर बडवारा ब्लाक की 40 पंचायतों के 279 महिला जनप्रतिनिधियों के साथ उनके कार्य कौशल की क्षमता को बढाना व ग्रामसभाओं की सशक्तिकरण में अधिक से अधिक मतदाता शामिल होकर अपने गॉव विकास की योजना बनवा सके और बनायी गई योजना को आगे बढाये, इसी परिपेक्ष्य में ब्लाक, जिले के शासकीय पदाधिकारियों और मिडिया के साथियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

4- :jy VfjTe %& मध्यप्रदेश में टूरिज्म को बढावा देने के लिये कई प्रकार के टूरिज्म चलाये जा रहे हैं, परन्तु *ekuo thou fodkl lfefr* ने फ्रान्स की संस्था तमादी के साथ मिलकर रूरल टूरिज्म की अवधारणा के अनुसार सांस्कृतिक अदान–प्रदान की गतिविधियों का संचालन कर रही है। जिससे बाहर से आने वाले महिला पुरूष बच्चे गॉव में रूकना गॉव में खाना खाना और वही 4–5 दिन रूकना गॉव की संस्कृति से परिचित होना। गॉव में चल रही आर्थिक गतिविधियों को देखना समझना, खेती जैसे कार्यक्रमों में बढ चढकर हिस्सा लेना आदि गतिविधियॉ शामिल रहती है भारत में हमने तीन तरह के सर्किट बनाकर रखे हैं और तमादी के साथ मिलकर आगे बढाते हैं जिसमें 15 दिन, 15 दिन 25 दिन एवं 17 दिन सामिल है। 15 दिन में दिल्ली से जयपुर , अलवर, उदयपुर ,आगरा, से दिल्ली वापस तथा 15 दिन में दिल्ली से कटनी या भोपाल,

उमरिया, सिहोर, बोरी, सॉची, आगरा से दिल्ली वापसी। 25 दिन वाले में कटनी, उमरिया, भोपाल, सिहोर जयपुर, उदयपुर, जोधपुर ओर्छा खजुराहो से वापसी दिल्ली । 17 दिन के लिये उत्तराखण्ड व केरला के सर्किट भी बनाये गये हैं।

वर्ष 2015—16 में 11 ग्रुप के साथ 58 लोग भारत भ्रमण पर आये जो मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड एवं केरला को मिलाकर है जिसमें 60 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी रही है। इस काम को करते करते ऐसा महसूस हो रहा है कि कटनी भी एक टूरिस्ट जगह के रूप में विकसित हो रही है। जिन गॉवों में ये सब रूकते हैं तो कुल बजट का 10 प्रतिशत गॉव विकास के लिये पैसा सुरक्षित रखकर गॉवों के SHG समूहों को मदद स्वरूप दिया जाता है। जिसमें वह समूह आपस में बैठकर यह तय करता है कि सामूहिक रूप से गॉव में क्या काम करना चाहिये जैसे उमरिया जिले के एकता स्व सहायता समूह द्वारा इस वर्ष तय किया गया कि गॉव में हम सब लोग हल्दी लगाने, कम्पोस्ट खाद के पिट बनवाने, बाथरूम, टॉयलेट को ठीक से बनवाने और गॉव का सामूहिक टेन्ट खोलने के प्रस्ताव के साथ काम को किया गया तो उस इलाके में एक माहौल बना कि जैविक हल्दी लेना है तो मरईकला और गोवराताल से खरीदा जाये और लोग खरीद भी रहे हैं ।

Greeting every tourist with a smile

TRAVELLERS' HAVEN Rural tourism has grown by leaps and bounds in Maraikala village where every tribal is adept at hosting foreigners

HT SPECIAL

BEFORE A TOURIST VISITS THE VILLAGE, WE ORGANISE A MEETING. A MENU IS PREPARED FOR THE WHOLE WEEK AND WE DISCUSS WHAT WE WILL DO FOR THE ENTERTAINMENT OF THE TOURISTS

THE CONCEPT IS TO MAXIMISE INTERACTIONS (WITH LOCALS) AND MINIMISE POTENTIAL DAMAGES (TO THE ENVIRONMENT). THIS CONCEPT IS ALREADY PRACTICED IN SEVERAL COUNTRIES

इसी प्रकार सिहोर जिले के बोरी गॉव में मुस्लिम और आदिवासी महिलाओं ने सफलता स्वसहायता समूह का गठन कर काम को आगे बढा रही है, जिसमें भोपाल शहर नजदीक होने के कारण रेडीमेड कपडों की काफी मॉग को देखते हुए गॉव की महिलाओं को सिलाई मशीन खरीद कर कपडों की सिलाई व एक सिलाई सेन्टर ही खोल दिया है और आगे गॉव में एक सामूहिक आटा चक्की लगाने की चर्चा चल रही है। सिलाई सेन्टर खुलने से गॉव की महिलाएॅ जो बाहर काम करने जाती थी तो वे सभी महिलाएॅ सिलाई का काम सीखकर कपडा की सिलाई कर अपने परिवारों का भरण पोषण करने लगी है काफी हद तक गाव का पलायन रूका है।

इसी प्रकार से राजस्थान के जोधपुर जिले में प्रदीप चौधरी जी के मार्गदर्शन में 15 महिलाओं को मिलाकर हीरामल स्वसहायता समूह का गठन कर गॉव में एक गोशाला की स्थापना की और गॉव में दूध की मॉग की पूर्ति करने का काफी हद तक सफलता पाई हैं तथा राजस्थान के जोधपुर जैसे इलाके में वृक्षारोपण के लिये एक अभियान चलाया जितने पौधें लगाना तो ठीक परन्तु उन्हें बचाना इस समूह की पहली प्राथमिकता है, इसी उद्धेश्य से यह समूह काम कर रहा है, ऐसे ही उत्तराखण्ड में तो समूह नहीं बना परन्तु परिवार अपने अपने घरों में टायलेट बनाने का काम बडे ही सुन्दर तरीके से किया है।

5- tkx:drk dk;Zdze %& शासन की जनकल्याणकारी योजनाएॅ गॉवों तक सुचारू रूप से पहुॅचे और पात्र हितग्राहियों को उनका उचित लाभ मिले इस दिशा में मानव जीवन विकास समिति अपने सिमित कार्यकर्ताओं के साथ फिल्ड में लगातार काम कर रही है, जिसमें गॉवों में समूह तैयार करना उनको शासन की योजनाओं की जानकारी देना और उचित सलाह देते हुए उस संबंधित विभाग तक पहुॅचाना व रास्ता बताना शामिल है इसी

उद्धेश्य की प्राप्ति के लिये FRA से प्राप्त जमीन पर खेती संबंधी जानकारी देकर उनको वंचित समुदाय को रास्ता बताने का काम किया जा रहा है।

dk;{k= ,d utj esa&

d-	*ftyk*	*Cykd*	*xkao*
1	कटनी	बडवारा	121
2	डिण्डौरी	समनापुर	40
		बजाग	20
3	मण्डला	बिछिया	10
4	बालाघाट	बैहर	20
		लॉजी	20
5	उमरिया	मानपुर	20
6	सिहोर	बुधनी	10
7	जोधपुर (राजस्थान)	जोधपुर	10
07		*09*	*271*

महाकौशल क्षेत्र में शोभा तिवारी एवं चन्द्रकान्ता भौतेकर के मार्गदर्शन में, उमरिया में भागवत पटेल, कटनी में रामकिशोर, रायसेन में राकेश रतन व जोधपुर में प्रदीप चौधरी के मार्गदर्शन में काम को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

lxBukRed tkudkjh i=d&

d-	*ftyk*	*xkao la[;k*	*y{; ifjokj*	**SHG** *la[;k*	*Ckpr jkf'k*	*lnL;k la[;k*	*dk;Zde*
1	कटनी	121	1820	90	4 लाख	927	अधिकतर समूहों को स्कूल व ऑगनबाडी में मध्यान्ह भोजन बनाने का काम मिला हुआ है, एक समूह खेती में लगा हुआ है।
2	डिण्डौरी	60	1430	26	60380	375	लगभग आधे से ज्यादा समूह मध्यान्ह भोजन बनाने के काम में लगे हैं
3	मण्डला	10	210	0	0	0	कोई सक्रिय समूह अभी नहीं हुये ।
4	बालाघाट	40	840	22	80500	240	खेती, वनोपज, पत्तल दोना बनाने व बिक्री तथा मध्यान्ह भोजन बनाने के काम में लगे हैं।
5	उमरिया	20	680	14	52000	172	खेती, वनोपज संकलन, मध्यान्ह भोजन बनाने के काम में लगे हैं।
6	रायसेन	10	235	4	15350	56	सिलाई के कार्य व खेती एवं मध्यान्ह भोजन बनाने के कार्य में लगे है।
7	जोधपुर (राजस्थान)	10	0	3	9300	30	गौपालन, वृक्षारोपण के कार्य में लगे हैं।
07		*271*	*5215*	*159*	*701230*	*1800*	कुल निष्कर्ष यह है कि अधिकतर समूह स्कूलों, ऑगनबाडी केन्द्रों में

						भोजन बनाने के काम में लगे हैं।

जागरूकता कार्यक्रम के तहत ही कुपोषण पर लोगों को जानकारी देना, शिक्षा के अधिकार , मनरेगा में काम की उपलब्धता व रोजगार दिलाना, लोकसेवा गारण्टी और छोटे किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी के साथ गॉव–गॉव में चौपाल लगाना, मिटिंग करना, दिवाल लेखन करना व पम्पलेट पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागृत करने की गतिविधियों में काम को संचालित किया जाता रहा है । तथा समाज परिवर्तन की दिशा में युवाओं को जोडने के लिये युवाओं की लिस्ट तैयार करना और युवा शिविरों का आयोजन करना । इस वर्ष अलग– अलग यूथ कैम्प के माध्यम से 275 युवाओं को जोडा गया है।

6- ,Mokdlh%& समाज के अंतिम पायदान में खडे व्यक्ति को सहायता करना मदद करना उसके सुख–दु:ख में साथ देने से वडी जनपैरवी का काम हो नहीं सकता, इसी सोच व विचार को लेकर श्री राजगोपाल पी.व्ही. द्वारा देश के उन तमाम वंचित समुदाय की मदद करने के साथ राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकारों के साथ, राजनैतिक दलों के साथ, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ गॉधीवादी संस्थाओं व व्यक्तियों के साथ निरन्तर संवाद की प्रक्रिया को

आगे बढाते हुए लोगों को अधिकार प्राप्ति के लिये खडा करने का काम निरन्तर चलता है ।

पूरे देश व दुनिया में अहिंसात्मक विचार को मनाने वाले नवजवान साथियों के साथ समय–समय पर युवा प्रशिक्षणों को आयोजन करना भी शामिल है। वर्ष 2016–17 के दौरान देश में ऐसे 12 युवा शिविरों का आयोजन कर 1650 युवा साथियों के साथ सीधा संवाद स्थाापित कर उनके गॉवों की समस्या के निदान के लिये किया गया प्रयास सराहनीय है। वंचित समुदाय के समस्या समाधान की अहिंसात्मक प्रयास को लगातार करते रहने और लोगों को खडा करना और संवाद के साथ समाधान की ओर बढना और इन तमाम कामों को करते करते रचना के काम को भली–भॉति करते रहना इसी के साथ शासन की योजनाओं के साथ उनको जोडने के प्रयास भी एडवोकसी के काम को भी मजबूती से करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी का नतीजा है कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड, बिहार, उडीसा, उत्तरप्रदेश व राजस्थान जैसे प्रदेशों में FRA के तहत लोगों को लाखों एकड जमीन प्राप्त हुई और आदिवासी परिवार उन जमीनों से खेती करके अपनी अजीविका चला रहे हैं।

7- Ldkyjf’kki%& ,tqd’ku ,o fjLd ¼LokLF;½ likV – काफी लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र में उन तमाम सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके बच्चों की पढाई हेतु उनके सुचारू रूप से आवेदन देने पर समिति निर्णय लेती

है। मानव जीवन विकास समिति द्वारा दो सदस्यी कमेटी का गठन किया गया है, जिनके पास आवेदन विचार हेतु भेजा जाता है और यह कमेटी निर्णय लेती है । यह पहले से तय है कि यह सपोर्ट उन साथियों को दिया जायेगा जो लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र के काम में लगे हैं और अपने बच्चों की पढाई व स्वास्थ्य खराब होने दवाई भी नहीं करवा पा रहे हैं, ऐसे साथियों का आवेदन आने पर कमेटी द्वारा विचार किया जाता है । वर्ष 2016–17 में एजुकेशन में 03 एवं रिस्क (स्वास्थ्य) में 35 लोगो को सहयोग किया गया है, जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, उडीसा, तमिलनाडू, केरला, आन्ध्रप्रदेश एवं बिहार आदि प्रदेशों में सहयोग प्रदान किया गया है।

एक महत्वपूर्ण सफलता यह है कि बिहार के महान सर्वोदयी कार्यकर्ता की बच्ची सृष्टि सरगम अपने कैरियर के लिये IAS की तैयारी की पर पैसा न होने के कारण पढाई पूरी नहीं कर पा रही थी, सृष्टि के पिता ने श्री राजगोपाल पी.व्ही. जी से चर्चा किये और आवेदन दिये तो उन्हे सहयोग किया गया और दूसरे लोगों से भी सहयोग की अपील की गई सहयोग मिलने के बाद सृष्टि भोपाल में रहकर अपने पढाई की तैयारी में लगी हमारी शुभकामनाएँ हैं कि उन्हें सफलता मिलेगी।

दूसरी घटना यह कि उडीसा में लम्बे समय से सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले साथी विजय प्रधान जी को लकवा मार दिया, मासिक कोई ज्यादा सहयोग नहीं था डॉ. ने कहा 20–25 हजार लग सकते हैं आपके दवाई में नहीं विजय भाई जिन्दगी तक लगवा ग्रस्त ही रहेंगे। श्री राजगोपाल जी के पास आवेदन आने के बाद कमेटी ने निर्णय लिया कि इन्हें सहयोग किया जाये । तदूपरान्त सहयोग किया गया और आज विजय भाई अपने परिवार के साथ हॅसी–खुशी जिन्दगी व्यतीत कर रहे है।

इसी तरह रवि कुमार यादव को अपने गॉव उत्तरप्रदेश में मोटर सायकल से एक्सीडेंट हो गया पूरा जबडा ही उखड गया लखनऊ के एक बडे अस्पताल में भर्ती कराया गया डॉ. द्वारा काफी पैसों की मॉग की गई कुछ तो था परन्तु कुछ घट रहा था रवि के भाईयों से बातचीत होने के बाद निर्भय सिंह और अनीष कुमार ने श्री राजा जी के पास खबर पहुॅचाकर उचित मदद किया गया । रवि ठीक हुआ पुनः संगठन के ऑफिस दिल्ली में आकर रहकर सभी को मीठी मीठी चाय और खीर खिलाने लगा देखकर अच्छा लगता है।

अक्टूबर माह में फेसबुक और वॉटसआप में एक मैसेज चला कि वियजराघवगढ के पास एक गॉव में गरीब परिवार की 29 वर्षीय अनीता सिंह को हार्ट अटैक आया है और उसे बायपास कराने के 2.25 लाख लगेगा सभी से निवेदन किया गया नागपुर में भर्ती अनीता सिंह के भाई का खाता नं. दिया गया कटनी जिले के लोगों ने 1000 से 500 रू. तक सहयोग कर रहे थे मेरे पास भी खबर आई हमारे विजयराघवगढ के साथियों द्वारा मैंने भी 1000 रू. का सहयोग करने का मन बनाया और 07 नवम्बर को दे दिया 21 दिन बाद खबर आई कि अनीता सिंह को जितना पैसा चाहिये था उतना मिल गया था और उनका सफल ऑपरेशन हुआ और वह घर वापस आकर अपने परिवार के साथ खुशी होकर रह रही है और ठीक होने के बाद वापस आने पर सभी को धन्यवाद पत्र लिख आभार व्यक्त किया ।

8- :jy bdkukeh ¼xkeh.k vFk0;oLFkk½ – प्रदेश व प्रदेश के बाहर जहॉ भी लोग अपने गॉव की अर्थव्यवस्था को ठीक करना चाहते हैं या आगे बढाना चाहते हैं उस गॉव में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन पानी जमीन पर आधारित वनोपज का संकलन जैसे कार्यों को प्राथमिकता के साथ करना चाहते हैं उन गॉवों के साथ सामूहिक रूप से बैठकर संगठन के माध्यम से ऐसे कार्यक्रमों को आगे बढाने के लिये कार्यक्रम तय किये जाते हैं जैसे सिहोर जिले की भीमकोठी, उमरिया जिले का मरई कला, कटनी जिले का कछारी एवं जूजावल डिण्डौरी जिले का रंजरा बालाघाट जिले का रतनपुर एवं झारखण्ड के हजारीबाग जिले कई प्रकार के ग्रामीाण अर्थव्यवस्था के तहत काम किये जा रहे हैं, जिसमें बकरी पालन, सिंचाई की सुविधा से खेती को बढाना, महिलाओं के द्वारा सब्जी उत्पादन को बढाना वनोपज का संकलन एवं मार्केटिंग, सिंचाई सुविधा के साथ खेती में उत्पादन बढाकर अपने भरण पोषण के लिये अनाज उत्पादन करना।

HkhedkBh& बुधनी विकासखण्ड का एक गॉव ऐसा भी है जो बाकी दुनिया से लगभग कटा हुआ है। इस गॉव में

उन भिलाला आदिवासियों के 15 परिवार हैं, जो एक दशक पहले खरगोन से आकर यहॉ बस गये हैं। बच्चों के लिये यहॉ न बालबाडी है न ऑगनबाडी, यहॉ आदिवासियों के आय की जरिया जंगल की लकडी जिसे वे औबेदुल्लागंज जाकर बेचते हैं, इलाज और गेंहू पिसाने के लिये भी इन्हें 25 किमी. दूर औबेदुल्लागंज ही जाना पडता है लेकिन इसके लिये पहले वे गॉव से 3 किमी. पगडण्डी पर चलकर छोटे से रेलवे स्टेशन चौका पहुॅचते हैं वहॉ से ट्रेन से औबेदुल्लागंज । छोटी मोटी बीमारियों के लिये आज भी गॉव के ओझा का ही सहारा है, गॉव में सभी के पास गरीबी रेखा से नीचे होने का कार्ड है लेकिन राशन लेने उन्हें 10 किमी. दूर यारनगर गॉव जाना पडता है।

समाजिक संगठन एकता परिषद व मानव जीवन विकास समिति के राकेश रतन सिंह बताते हैं कि दरअसल यह गॉव मध्यप्रदेश के नक्शे से ही गायब था। राकेश ने बताया कि उस समय यहॉ मात्र 12 परिवार रह रहे थे । एकता परिषद ने सबसे पहले इन लोगों को वनाधिकार पटटे का दावा भरवाया और वनविभाग से पैरवी कर पटटे दिलवाये । इसके बाद एकता परिषद ने एक कुऑ भी खुदवाया । गॉव में अक्षर ज्ञान का तो सवाल ही नहीं था, बच्चें सारे समय खुले मैदान में खेलते थे इसलिये एक छोटा स्कूल खोला जिससे बच्चे कम से कम कुछ देर स्थिर बैठ सके । इसके बाद इस गॉव के 36 बच्चों को भोपाल लाकर स्कूल में दाखिले की कोशिश की गई लेकिन वह नाकामयाब ही रही। एक महीने तक किसी तरह इन बच्चों को गॉधी भवन के वृद्धा आश्रम में रोका गया लेकिन शहरी आबोहवा रास न आने के कारण बच्चे गॉव वापस जाने के लिये छटपटाने लगे।

सरपंच भीम सिंह बताते हैं कि वह भोपाल में रेडियो जॉकी था, लेकिन तबीयत खराब होने की बजह से उसे खाण्डावड अपने पैतृक गॉव वापस आना पडा मन में कुछ नया करने का जज्वा था इसलिये भीमकोठी के बच्चों को मुफत पढाने लगा। पंचायत चुनाव आया तो सोचा कि यदि सरपंच बन जाये तो गॉव का कुछ भला हो सकता है । 2015 में वह भीमकोठी, डूब और यारनगर गॉवों को मिलकार बनी खण्डाबड पंचायत का सरपंच बन गया । भीमसिंह ने बताया कि 2 साल में मैने इस गॉव के 12 परिवारों के लिये 2 कमरे वाला पक्के आवास, 5 सौर ऊर्जा बिजली, 12 शौचालय सभी के खेतों में मेंढबंधान,

ई—कक्ष, स्कूल के लिये 2 शौचालय, सामुदायिक मंच, 3 हैण्डपम्पों और 4 सीसी रोड क्रमशः 7 सौ मीटर 2 सौ मी. 3 सौ मी. स्वीकृत करवाये हैं । इनमें सामुदायिक मंच स्कूल के लिये शौचालय, हैण्डपम्प, मेंढबंधान का काम पूरा हो चुका है । पक्के आवास निर्माणाधीन हैं, ऑगनबाडी के लिये प्रयास जारी है, बुदनी में तौलिये बनाने कम्पनी ट्राईडेण्ट के सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष से स्कूल भवन बन रहा है लेकिन सीसी रोड के काम पर वनविभाग ने रोक लगा दी है।

9- ty lj{k.k dk dk;Zde& मई जून की कडी दोपहरी में जब घर—घर रखे घडे में बच्चा गिलास डालकर पानी निकालकर अपनी प्यास बुझाने के लिये कोशिश करता है तो उस समय अपनी मॉ को पुकार कर कहता है मॉ पानी नहीं है जबकि उसका बडा भाई और बहन गॉव से 3 किमी. दूर बने जंगल की झिरिया में पानी लेने गये थे। मॉ कहती है बेटा एक घन्टा रूको तुम्हारे भाई—बहन पानी लेकर आ ही रहे होंगे भगवान की क्या महिमा की उस दिन से उस झिरिया का भी पानी सूख गया था । क्योंकि उस इलाके का वाटर लेवल दिनो दिन एक फीट से एक मीटर तक घट रहा था । जैसे तैसे दोनो भाई— बहन 2 किमी. और गये तो दूसरी बावडीनुमा कुऑ में थोडा—थोडा मटमैला पानी दिखाई दे रहा था, किसी तरीके से वे दोनो अपने घडे को अपने ही गमछा से छानकर भर ही लिये अब वापसी में 5 किमी. पैदल आना है जबकि एक घन्टा में 3.50 किमी. से 4 किमी. ही पैदल चला जा सकता था वह भी सिर में 15 लीटर पानी लेकर तपती दोपहरिया में बुन्देलखण्ड के पत्थरों वाली पगडंडियों को पार करते हुए घर पहॅुच ही गये । सिर से घडा उतारते ही घर में उनका छोटा भाई जो पहले से प्यास के मारे परेशान हो रहा था, मॉ की थप्पडों से अराम से चुपचाप कोने में बैठे सोच रहा था कि हे भगवान यह पानी तो प्रकृति की दी हुई वस्तु है और प्रकृति प्रत्येक वर्ष 3 से 4 माह हमें मुफत में पानी गिराकर देती है फिर भी हम इंसान उस पानी को रोक पाने में सक्षम नहीं हैं।

उनके भाई के घर पहॅुचते ही वह बच्चा मटमैला सा पानी को पास में रखे लोटा में भरकर पी गया तब तीनों लोगों ने ठाना की हम सब मिलकर गॉव वालों आसपडोस को दूसरे गॉव वालों को पानी संचय के लिये बतायेंगे कि अपने गॉव में उपलब्ध जंगल की झिरिया, बावडी, कुऑ, नदी, तालाब, नाले आदि की सफाई व बॉधकर वर्षा के पानी को रोकने की मुहीम को चलाया जाना चाहिये।

वर्ष 2016—17 में श्री यतीश भाई मेहता मुम्बई के सहयोग व श्री राजगोपाल पी.व्ही. जी के मार्गदर्शन में व श्री रनसिंह जी के समन्वयन में चंबल एवं बुन्देलखण्ड में 10 दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया और गॉव वालों

को संदेश दिया गया कि एक बूँद पानी को संचय करें । अपने गॉव में उपलब्ध तालाब, नाला, बावडी, कुऑ की सफाई करे नाला में पत्थर बंधान करें और इस यात्रा का इतना असर हुआ कि चंबल के 7 गॉवों में और बुन्देलखण्ड के 2 गॉवों में बावडी कुऑ, नाला की बंधाई की गई गॉव के सब लोग सिर पर तौलिया टोपी लगाकर श्रमदान करते जा रहे थे। उदाहरण के तौर पर टीकमगढ जिले के बसतगवॉ गॉव में गॉव के पास गुजरने वाली नदी को वहीं पर उपलब्ध पत्थरों से बॉध दिया गया जब नवम्बर माह में उस गॉव में श्री यतीश भाई के साथ देखने गये तो क्या पानी एक किमी. तक नदी में भरा था, नदी के किनारे दोनो तरफ कहुआ (अर्जुन) के पेड लहरा रहे थे । गॉव वाले डीजल पम्प लगाने की तैयारी कर रहे थे कि नदी के दोनो तरफ खाली पडी हमारी जमीन सिंचित हो गई और हम सब मिलकर गेंहू , चना फसल उगायेंगे । इसी पानी से हमारे मवेशी भरपेट पानी पीयेंगे। हमारा गॉव पानी के मामले में स्वालम्बी बनते दिखाई दे रहा है। अब उस कुऑ का मटमैला पानी पीने को वह बच्चा मजबूर नहीं होगा नदी में तैरेगा (नहायेगा) स्वच्छ जल पीकर तन्दूरूस्त रहेगा। यात्रा के दौरान श्रमदान से तालाबों, नदी–नालों का गहरीकरण किया गया 'श्योपुरकला में तीन गॉव कपुरिया, सवादी, अधबाडा में 3 स्टाप डेम बनाये गये शिवपुरी जिले में तिघरा गॉव में सिंचाई के लिये गॉव, गुना जिले के करमादा गॉव में सिंचाई हेतु तालाब, अशोक नगर जिले के जखलौन गॉव में चेक डेम, ललितपुर जिले के जाबेर गॉव में चेक डेम, झॉसी जिले के सौनकपुरा गाूव में चेक डेम, टीकमगढ जिले के बसतगवॉ गॉव मे बोल्डर डेम, दमोह जिलें के चीलघल गॉव में बोल्डर डेम इस प्रकार से 3 स्टाप डेम, 2 सिचाई हेतु तालाब, 3 चेक डेम व 2 बोल्डर डेम(नदी व नाले को पत्थरों से मेढ बनाना) बनाये गये 10999 मानव दिवस का काम किया गया ।

11- tMh cfV lxg o lo/ku& प्रायः विलुप्त होती प्रजातियों में से उनको संरक्षित करना और उनके द्वारा बनाई जाने वाली दवाईयों का प्रचार प्रसार करना वैसे भी यह सब जंगलों में पाई जाने वाली जडीबूटियॉ हैं, फिर में समिति से अपने सेन्टर में 110 प्रकार की जडीबूटियों का संग्रह किया हुआ जिनको नमूने के तौर पर हम कुछ प्रदर्शित कर रहे हैं।

नाम–अपराजिता उपयोग – पीलिया, पेट साफ अंग – फल, पत्ती 	नाम – मिनी आंवला उपयोग – पेट साफ अंग – फल चूर्ण 	नाम–रामतुलसी उपयोग – सिर दर्द, पेट साफएवं मच्छर भगाने पर अंग – पंचाग

नाम – महावला उपयोग – शक्तिवर्धक अंग – बीज 	नाम – मुलहैटी उपयोग – दांतदर्द अंग – फल 	नाम – जटामासी उपयोग – चर्मरोग अंग – फल
नाम – लेमनघास उपयोग – वातनाशक अंग – पत्ती 	नाम – सदाबहार उपयोग – डायबिटीज अंग – पत्ती 	नाम – अर्जुन उपयोग – ब्लडप्रेशर अंग – छाल
नाम – सुदर्शन उपयोग – कान की दवा अंग – फूल 	नाम – गोगुल उपयोग – हवन सामग्री अंग – छाल 	नाम – रीठा उपयोग – बाल धोने अंग – फल
नाम – शीकाकाई उपयोग – बाल धोने अंग – फल 	नाम – कलिहारी उपयोग – गर्भपात अंग – कंद 	नाम – बैचांदी उपयोग – शक्तिवर्धक अंग – कंद

नाम – गुडमार उपयोग – डायबिटीज, शुगर अंग – पत्ती 	नाम – भृंगराज पीला उपयोग – बाल काले अंग – पत्ती 	नाम – सतावर उपयोग – दूधवर्धक, शक्विर्धक अंग – कंद

12- ykbcsjh dh LFkkiuk& समाज सेवा के क्षेत्र में लगे सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके काम के लायक पुस्तकें बहुत ही कम पढने को मिलती है यदि थोडा बहुत मिली भी तो गॉधी जी , बिनोबा जी के विचार ज्यादा हुआ तो उपन्यास वह भी हिन्दी भाषी प्रदेश में काम करने वाले साथियों को तो और बहुत कम ही मिलती है। समिति के सेन्टर में काफी पुराने समय से ही ज्ञान मन्दिर के नाम से एक 15 X 20 का टीन छप्पर वाला बडी कुऑ के पास उचाई पर बना था, बस एक दिन बैठे–बैठे विचार आया कि क्यों न इस ज्ञान मन्दिर को असली ज्ञान मन्दिर में परिवर्तित किया जाये।

फोन उठाया अनीष भाई को लगाया घन्टी बजी जबाव आया मैने अपनी फरियाद सुनाया एवं बुलावा भेजा और टिकट बनी अनीष भाई रेवान्चल पकडकर कटनी आये। एक दूसरे के विचारों से अवगत हुये काफी चर्चा के बाद यह तय किया कि हॉ सही है, इस ज्ञान मन्दिर को असली ज्ञान मन्दिर में परिवर्तित किया जाये । फीता लाये रस्सी पकडी उस ज्ञान मन्दिर के चारों तरफ गोलाई में एक 15 फिट की दूरी पर चबूतरा बनाने की सहमति बनी चिन्ह लगाये और काम की रूपरेखा तय हो गई। यह तय किया कि सबसे पहले चबूतरा फिर उस मकान के अन्दर का काम फिर अलमारी और फिर अपने पास उपलब्ध 126 प्रकार की 4335 किताबों को व्यवस्थित सहेजा जाये। यह सही है कि ये किताबे 80 प्रतिशत हिन्दी में है और वह भी अपने संगठनात्मक कार्य की खैर वह भी एक इतिहास है, नए आने वाले कार्यकर्ताओं का उत्साह बढाने में काम आयेगी बस इसी तरह से उस मकान को लाईब्रेरी में परिवर्तित कर दिया और लाईब्रेरी का स्वरूप लेकर उसका हिसाब किताब रखने लगे।

13- ekuo thou fodkl lefr d icU/k lefr lnL; &

d-	*uke*	*fooj.k*	
1	श्री बद्री नारायण नरडिया अध्यक्ष	कटनी शहर में भी रहकर गॉव के वंचित समुदाय को हक मिले इस प्रयास के साथ श्री राजा जी के सम्पर्क में 1992 से हैं।	

2	श्रीमती सरोज पाण्डेय उपाध्यक्ष	पिछले 25 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय महिलाओं को हक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका ।	
3	श्री निर्भय सिंह सचिव	1998 में बिजौरी सेन्टर आकर श्री राजा जी के मार्गदर्शन में समिति का गठन किया, प्राकृतिक संसाधनों पर लोगों की आजीविका खडी हो इस विचार के प्रवल चिंतक ।	
4	श्री संतोष सिंह सहसचिव	बघेलखण्ड, बुन्देलखण्ड क्षेत्र में संगठनात्मक काम को खडा कर लोगों को जागृत कर अधिकार दिलाने में सक्रिय भूमिका में लगे हैं।	
5	श्री अनीष कुमार के.के कोषाध्यक्ष	एडवोकसी के कार्य को अपना काम समझकर उसी के द्वारा वंचित समुदाय को अधिकार मिले इसी प्रयास के साथ भोपाल में रहकर महत्वपूर्ण भूमिका।	
6	श्रीमती शोभा तिवारी सदस्या	बैगा आदिवासियों व महिलाओं को उनका हक और अधिकार मिले उनकी रोजी–रोटी जमीन व जंगल आधारित स्थापित हो इस महत्वपूर्ण कार्य में सक्रिय भूमिका।	
7	सुश्री कस्तूरी पटेल सदस्या	महिलाओं को महिला अधिकार बराबरी से प्राप्त हो इस संघर्ष में लगे हुए की उनकी रोजी–रोटी स्थानीय स्तर पर खडी हो इस विचार के साथ आगे बढ रही है।	

14- lsUVj dh vU; xfrfof/k;k¡ &

1- vfgalk vkSj fFk;sVj & देश और दुनिया में वर्तमान समय में अहिंसा को मानने वाले लोगों की संख्या बढ रही है, इसी उद्धेश्य से अप्रैल 2016 में स्वीटजरलैण्ड के 25 युवा युवतियॉ और 25 भारत के विभिन्न प्रदेशों से मानव जीवन विकास समिति बिजौरी के सेन्टर में 7 दिवसीय अहिंसा एवं थियेटर विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसका संचालन मिस्टर थोबिस एवं कमलेश सिंह ने किया ।

2- vxzth Dykl & एकता महिला मंच की महिलाओं को अग्रेंजी सीखने सीखाने की दृष्टि से 5 दिवसीय जर्मनी की बारबरा के द्वारा 12 महिलाओं को अग्रेंजी सीखाने की कार्यशाला का अयोजन किया गया ।

*3- xzkeh.k fodkl ifr"Bku***¼C.A.½** *ikxke dh fefVx* :– लोगों की अजीविका गॉव गॉव में खडी हो इस विषय पर ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान रायपुर के मार्गदर्शन में 3 दिवसीय उस परियोजना से जुडे साथियों की मीटिंग रखी गई।

4- vUrjk"Vh; efgyk fnol ij efgykvksa dk Hkze.k& जलगॉव सम्मेलन के बाद ग्रुपों में बटवारा के बाद 4 नम्बर ग्रुप मानव जीवन विकास समिति के फिल्ड में आया जिसमें 12 महिलाये थी , जिनको उमरिया के मरईकला, कटनी जिले के कछारी एवं मदारी टोला में भ्रमण कराया गया । उन सभी महिलाओं के ग्रुप का समन्वयन का कार्य शोभा तिवारी व अनुवाद का कार्य चन्दन मिश्रा ने किया ।

5- vlj ¼f'k{kk dk Lrj dk losZ½ :– असर भोपाल के द्वारा कटनी जिले के 30 गॉवों का शिक्षा के स्तर को जॉचने के लिये एक सेम्पल सर्वे किया गया जिसके वालियन्टरों को 2 दिवसीय प्रशिक्षण और 7 दिवसीय सर्वे कार्य सफलता पूर्वक तरूनेश के क्वार्डिनेशन में किया गया । कटनी जिले का स्टेटस रिपोर्ट ठीक है।

6- reknh DokfMZusVj Vsfuax :– रूरल टूरिज्म मे लगे तमादी के साथ उन सभी देशों के क्वार्डिनेटर साथी यहॉ पर 9 जनवरी से 20 जनवरी 2017 तक प्रशिक्षण एवं उमरिया का फिल्ड बिजिट के साथ फ्रान्स माडागास्कार, टर्की, तंनजानियॉ, टूनिसिया, थाईलैण्ड, के साथ भारत के 6 साथियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया जहॉ पर पिछले वर्षों के कार्य एवं अगामी वर्षों की योजना के साथ टूर के समय बरतने वाली सावधानियों पर विशेष रूप से यह प्रशिक्षण केन्द्रित रहा ।

fnYyh ;wuhoflZVh dk छात्र–छात्राऍ समाज कल्याण विभाग से **MSW** के छात्र यहॉ पर 7 दिवसीय रूरल कैम्प का आयोजन किया जिसमें 35 छात्राऍ और 30 छात्र थे तथा इसके अलावा 4–5 शिक्षक थे। विभाग के इन्चार्ज डॉ. संजय राय एवं मालती जी के मार्गदर्शन में कैम्प का संचालन हुआ और अनीष भाई का काफी सहयोग रहा एवं डॉ. रनसिंह जी परमार ने तो एक दिन का पूर क्लास चलाया और एक दिन कटनी के एसपी. श्री गौरव तिवारी जी, कटनी विधायक श्री संदीप जय सवाल

भ्रमण

छात्रों ने जानीं ग्रामीणों की जीवनशैली

दिल्ली समाज कार्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया गांवों का अवलोकन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कटनी. दिल्ली समाज कार्य विद्यालय के छात्रों का दल 5 दिवसीय रूरल कैम्प को लेकर जिले में पहुंचा। यहां मानव जीवन विकास समिति की ओर से विद्यार्थियों को 4 अलग दलों में विभाजित कर बिजौरी, मझगवां, नन्हवारा कलां, तथा उमरिया-मदारी टोला गांवों में अवलोकन के लिए भेजा गया। विभिन्न प्रांतों जैसे बिहार, उत्तराखंड, केरल तथा हरियाणा से आए छात्रों ने अलग अलग स्तरों पर गांव के लोगों से संवाद कर जागरुकता फैलाने का प्रयास किया।

विद्यार्थियों ने 3 दिनों तक गांवों में जाकर अवलोकन, संवाद, समस्याओं से लेकर गांव के दैनिक जीवनशैली को सूक्ष्मता से समझने का प्रयास किया। तीन दिवस के अवलोकन तथा क्रियाकलापों के दौरान समाज कार्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने समाज कार्य से जुड़ी कई गतिविधियों जैसे पीआर, रिसोर्स मैपिंग, जुलूस एवं नुक्कड़ नाटक आदि का भी आयोजन किया। समूह के संग आई शिक्षक डॉ. अभिषेक ठाकुर ने कहा कि यह हम सभी के लिए गांव को नजदीक से देखने तथा उससे सीखने का अनोखा अवसर है।

समूह के साथ आए छात्र प्रशांत कुमार ने कहा गांव की बात करना तथा गांव में बात करना दो अलग मुद्दे हैं और इन दोनों के मध्य के अंतर को हमें कम करना पड़ेगा। छात्रा श्रेयसी ने कहा कि हमने पहले भी गांव देखे हैं परन्तु एक समूह के रूप में अलग विचारों तथा उद्देश्यों से गांव को समझना बहुत अलग है।

ग्रामीणों से संवाद करते छात्र-छात्राएं।

पत्रिका Sat, 15 October 2016 epaper.patrika.com/c/13921158

जी, कटनी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ध्रुवप्रताप सिंह जी, श्री मोहन नागवानी जी, श्री मुकेश शाक्या जी ने भी एक–एक दिन अपने–अपने विचार व्यक्त किये । सभी छात्राओं को 4 ग्रुपों में बॉटा गया था जो 4 गॉवों में जाकर वहॉ पर मानव जीवन विकास समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों को देखना समझना और लोगों को साफ–सफाई व समस्या निदान के लिये काम किये जिसमें बिजौरी, मझगवॉ, भदौरा नं. 1 जगतपुर उमरिया मदारी टोला आदि गॉवों की शाम को रिपोर्टिंग होती थी।

8- 'kgjh ;qokvksa dk Hkze.k dSEi :– भोपाल से मोसीन भाई के मार्गदर्शन में भोपाल शहर के 20 छात्र छात्राओं ने यहॉ पर 5 दिवसीय ग्रामीण कैम्प का आयोजन किये जिसमें ग्रामीण परिवेश की संस्कृति को जानना व जैविक खेती के फायदे व नुकसान को बारीकियों से समझना, सेन्टर पर उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट एवं नर्सरी का गहराई से भी अध्ययन किया । समिति द्वारा आसपास के गॉवों में किये जा रहे कार्यों को भी नजदीकी से देखा और ग्रामीण युवाओं को सहयोग देने के साथ कैम्प का समापन किया गया इसमें अनीष कुमार, बिनोद कुमार, मोसीन भाई का काफी सराहनीय सहयोग रहा ।

9- bUVjf'ki dk;Zde :– मानव जीवन विकास समिति की धीरे–धीरे यूनीवर्ससिटियों में अपनी पहचान बन रही है इसी परिपेक्ष्य में दिल्ली यूनीवर्ससिटी से 8 छात्र छात्राओं का **MSW** मे इन्टरशिप के लिए यहॉ पर करिश्मा जी के मार्गदर्शन ने जिनको हम लोगों ने उनको तीन ग्रुपों में बॉटकर फिल्ड का सलेक्शन किया जिसमें 3 लोगों को शोभा तिवारी जी के साथ डिण्डौरी के काम को देखना समझना जहॉ पर FRA का काम बैगाओं के बीच अच्छा किया गया है । 3 लोगों का ग्रुप

भागवत भाई के मार्गदर्शन में उमरिया जिले के मरई कला क्षेत्र में आर्थिक कार्यक्रमों और FRA के काम को देखना तथा तीसरा 2 लोग कस्तूरी बहन के मार्गदर्शन में कटनी जिले के बहोरीबन्द क्षेत्र में गॉवों का सर्वे कार्य में लगाये गये थे । कुल 12 दिन के फिल्ड वर्क में एक सप्ताह फिल्ड में रहे तथा बाकी दिन सेन्टर की गतिविधियों व रिपोर्टिंग बगैरह में समय बिताया सभी का सराहनीय सहयोग रहा ।

10 VkVk bULVhV;qV vgenuxj :– टाटा इन्स्टीट्यूट अहमदनगर के दो छात्र MSW का इन्टरशिप के लिये मानव जीवन विकास समिति के फिल्ड में काम को देखने समझने के लिए 15 दिन के लिए यहॉ पर आए जिसमें सेन्टर के आसपास भमरार, भदौरा नं. 1, मदारीटोला आदि गॉवों का भ्रमण कर उमरिया जिले के मरईकला के गॉव का भी भ्रमण किया जिसमें इन दोनों छात्र (इरसाद पठान एवं विनोद चोलवे ने) अपने कार्य कौशल के अनुसार गॉव में भ्रमण कर उनकी समस्या और संस्कृति से परिचित होकर लोगों को सही सुझाव देते हुए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए । दोनों छात्राओं की रिपोर्ट सम्मीट की जा चुकी है और समिति की ओर से उन्हें सर्टिफिकेट भी भेजा जा चुका है।

11- fryd jk"Vh; egkfo|ky; dVuh dh rjQ:– छात्र–छात्रओं के सेमेस्टर के तहत अलग–अलग विषयों पर प्रोजेक्ट बनाने की पढाई एवं उस विषय में प्रोजेक्ट बनाकर कॉलेज में सम्मीट करना ताकि बच्चे भविष्य में इस तरह के प्रोजेक्टों पर काम कर सके । यहॉ आने वाले छात्राओं में जडीबूटि संग्रह एवं संवर्धन, वर्मी कम्पोस्ट एवं

नर्सरी का रखरखाव एवं निर्माण विषय पर लगातार 25 दिन आकर अध्ययन किए एवं अपना–अपना प्रोजेक्ट बनाकर सम्मीट किए और समिति के तरफ से प्रत्येक बच्चे की उनके फार्मेट के अनुसार बच्चों को नम्बर देकर कॉलेज में जमा करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

12- fon'kh Hke.k– मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह एवं कोषाध्यक्ष अनीष कुमार ने दोनों मिलकर यूरोप गये जहॉ अनीष कुमार एकता यूरोप की मीटिंग में भाग लेकर फ्रान्स होते हुए दोनों लोग बेल्जियम गये जहॉ पर तमादी की वार्षिक मिटिंग में भाग लिए और किसानों के बीच काम करने वाली कम्पनी के फिल्ड भ्रमण करते हुए जून में भारत वापस आये।

13- o{kkjki.k& समिति के सेन्टर में 250 पौधे विभिन्न प्रजाति के लगाये गये जिसमें फलदार, इमारती लकडी, जडी बूटी के काम आने वाले पौधे रोपे गये पौधों को लगाकर उनको जीवित रखना अपने आप में भारी चुनौती रही है । परन्तु 250 पौधें में से 230 जीवित बचा पाने में सफल रहे ।

इसी प्रकार से बिजौरी गॉव हाई स्कूल में समिति की तरफ से जाली लगाकर 10 पौधों का स्कूल के बच्चों व शिक्षकों के साथ रोपण किये गये । जिसमें 10 के 10 पौधे जीवित हैं, स्कूल के बच्चों पर पर्यावरण के नाम से जागृति लाना आवश्यक है । हमारा मानना है । प्रत्येक तीज त्यौहार जन्मदिन के समय एक पौधा जरूर लगा यें और गिफ्ट करें ।